[Shri V. Gopalsamy]

when there were some attempts to denigrate the Chair, he rose to the occasion.

So, Sir, the year 1991 starts in Rajya Sabha with this good gesture from Shri Shiv Shanker. I would like to thank the Congress Party also for enabling us for the first time to express our congratulations for that one.

SHRl P. SHIV SHANKER; Mr. Vice-Chairman, Sir, a very complicated issue has been resolved most amicably and for this, if any person is responsible, I should give the entire credit to my Party and the Leader. I have been only instrumental in carrying out the mandate of my Party and that of the Leader.

I express my grateful thanks to the leaders of different Parties for having said some very good words about me. I would only like to assure them that in the best traditions of this House and that of our Party. I will try to conform to their expectations. Thank you very much.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA); Now. we go back to the discussion on the communal situation.

SHRI S S. Ahluwalia.

CALLING ATTENTION TO AMATTEOF URGENTIMPORTANCECOMMUNAL SITUATION IN THE COUNTRY— Contd.

श्री सुरेन्द्र जीत सिंह अहलुवालिया (बिहार): उपसभाध्यक्ष जी, आज हम लोग इस सदन में हमारे मुल्क में जो साम्प्रदायिक दंगे हो रहे हैं और सांप्रदायिक दंगे होने के कारण जो एक-दूसरे के प्रति द्वेष की भावना जाग रही है, जिससे हमारी कण्ट्री के सेक्यूलर फैब्रिक को जो खतरा पहुंच रहा है, इसके बारे में चर्चा करने के लिए उपस्थित है।

मुझे याद आता है वह जमाना, जब उधम सिंह जलियांवाला बाग के मैसेकर का बदला लेने युनाईटेड किंग्डम पहुंचे और अपना बदला लेकर जब पुलिस के द्वारा पकड़े गये, तो उनसे उनका नाम पूछा गया। तो उन्होंने अपना नाम राम मोहम्मद सिंह बताया था। कैसी चिंताधारा थी उस वक्त और कैसी चिंताधारा आज होती जा रही है। सके बारे में हम लोग सोच र हैं, र कर र पर उसको कार्यान्वित नहीं कर हे।

उपसभाध्यक्ष जी, कुछ दिन पहले सुना कि इस मुल्क में अब घोड़ों को लेकर रथ-यात्रा नहीं चलेगी, इंजन द्वारा चालित एक टोयोटा रथ चलेगा, जिस पर हमारे देश के एक नेता अपना चुनाव-चिन्ह लगाकर 8,375 किलोमीटर का दौरा कर र हैं। बड़े गर्व से महाजन जी ने कहा कि उस रथ-टोयोटा रथ पर, जो डीजल से चलता है, उस रथ पर वह चढ़कर गये और 8,375 किलोमीटर का दौरा किया।

उपसभाध्यक्ष जी, अगर पूरा नक्शा उठाकर देख लिया जाए और इनका रूट मैप देखा जाए, तो इनके सोमनाथ से अयोध्या तक पहुंचने का जो रूट था, वह करीब दो सौ पार्लियामेंट्री कंस्टीट्युएंसीज कवर करता था। अभी तो वह कह रहे थे कि स्कूलों की लिस्ट बनती है और उस लिस्ट में लिखा जाता है कि मुस्लिम डामिनेटिड एरिया—इनका रूट मैप बना था, तो उसमें लिखा गया था रायटप्रोन एरिया—उसे देखकर यह रास्ते चुने गये थे और साथ-साथ लिखा गया हिन्दु डामिनेटिड एरिया उस रास्ते से गुजरेंगे क्योंकि वह हिन्दू डोमिनेटिड रास्ते से गुजरे तो कम से कम बीजापुर जैसे शहर में भी लहू के प्याले लेकर आडवाणी जी को पिलाने के लिए खड़े हुए युवक, महोदय, शर्म से सिर झुक जाता है। घी की आरती उतारते हुए तो देखा था, दही और दूध लेकर आरती उतारते हुए देखा था, मिठाइयां लेकर आरती उतारते देखा था, खून से भी किसी नेता की आरती उतारी जाती है इस टोयोटा रथ में बैठे आडवाणी जी की आरती उतारी गई उसको इस भारत ने देखा है।... (व्यवधान)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : क्यों झूठ बोलते हो ? . . . (व्यवधान) जिनका यह जिक्र कर रहे हैं उन्होंने ब्लड डोनेशन किया था । ब्लड डोनेशन बैंक को दिया, उसका सर्टिफिकेट दिया था । . . . (व्यवधान) ब्लड बैंक को ब्लड दिया उसका सर्टिफिकेट दिया था ।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): You will have your say when your time comes.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : उपसभाध्यक्ष महोदय, यह खून की आरती उतारते हुए भारत में नंगा नाच कराया गया और रक्त-रंजित रथ यात्रा लेकर सारे भारत का परिदर्शन करने निकले थे। जिस वक्त इस मुल्क के प्रधान मंत्री विनाश प्रताप सिंह ने इस मुल्क में कास्ट वार की घोषणा की उसी वक्त जब इन शहरों में आत्मदाह हो रहे थे और इनके वह नेता आडवाणी जी जिनके अपनी कांस्टीट्युएंसीं में लोग आत्मदाह कर रहे थे उनका अस्थि-कलश निकालने की उनकी कोई इच्छा नहीं हुई, वह मंगल-कलश लेकर वह सोमनाथ मंदिर पहुंचे । अगर मैं पूछूं अगर हिन्दू इतिहास हिन्दू धर्म की अध्यात्मिकता के बारे में आपको ज्ञान है तो बताएं जरा कि राम भगवान के मंदिर से सोमनाथ मंदिर का क्या संबंध है और संपर्क है ? वह जरा हमें बता दें । वह भी हिन्दुस्तान की जनता को बताइये कि राम भगवान क्या सोमनाथ गए थे ? आपने सोमनाथ का स्थान क्यों चुना ?

DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY (Andhra Pradesh); He said 'Vinash' Pratap Singh. That must be expunged.

SHRI VISHVJIT P. SINGH (Maharashtra); You cannot expunge it from the hearts of the people who think he is the destroyer of this country, Vinash Pratap Singh. You are also 'vinash',.. *(Interruptions)* ,

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Please don't interrupt. Mr. Ahluwalia please go on.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : उपसभाध्यक्ष महोदय, बड़े गर्व से इन लोगों ने कहा कि मैं गर्व से कहता हूं कि मैं हिन्दू मिलिटेंट हूं । मिलिटेंट हिन्दू या हिन्दू मिलिटेंट, दोनों बराबर हैं ?

श्री सिकन्दर बख्त : अंग्रेजी की बात है ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : अच्छा, वह अपने ऊपर से निकल गई है क्या ? . . . (व्यवधान) उपसभाध्यक्ष महोदय, शर्म आनी चाहिए, जब इस मुल्क के लोगों को कहना चाहिए कि गर्व से कहो कि मैं मिलिटेंट इंडियन हूं, उस वक्त यह कहते हैं मिलिटेंट हिन्दू हूं ।

श्री वीरेन जे. शाह : तुरकी में और चाइना में "इंडियन" को "हिंदो" भी कहते हैं ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : चाइना की बात करते हैं, क्यों नहीं जाते हो मान सरोवर को छुड़ाने ? हिन्दुओं का धार्मिक स्थान मानसरोवर जो चीनियों के हाथों में है, क्यों नहीं जाते ?

श्री वीरेन जे. शाह : आपकी सरकार ने दिया है ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : जाओ उसको छुड़ाओ, उसके लिए कोई आंदोलन करो । क्यों नहीं करते ? क्योंकि वह बर्फ से ढके हुए पहाड़ों के बीच है । वहां दर्शकों की भीड़ नहीं लगेगी, चढ़ावा नहीं चढ़ेगा । उसके नाम पर वोट नहीं मिलेंगे और वह 200 पालियामेंटरी कांस्टीट्यून्सी का रास्ता आपका नहीं निकलेगा । यह महंतों की प्रथा लगाकर जो मंदिर के नाम पर राम का नाम बेच रहे हैं लगता है कि उस राम भगवान को रहने के लिए घर नहीं था । हिन्दुस्तान की 85 करोड़ जनता के हृदय में राम बसता है । राम को जानने के पहले कम से कम जाना होता, मैं गुरू ग्रन्थ साहब पढ़ता हूं । गुरू ग्रंथ साहब में राम भगवान का नाम 2455 बार आता है, उतनी बार शायद रामायण में नहीं आता ।

[श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया]

5.00 P.M.

और मैं यही प्रश्न आप से करता हूं, क्यों उस राम को बेचने के लिए चलते हैं? उस मर्यादा पुरुषोत्तम राम को जिस मर्यादा पुरुषोत्तम ने अपनी मर्यादाओं के लिए कितनी ही कुर्बानियां कीं। पर आप उन मर्यादाओं पर नहीं चल रहे हैं। आपके लिए तो बैलेट ही मर्यादा है क्योंकि भगवान राम के झंडे का सिंबल न तो वह कमल था और न ही अयोध्या के राज का कोई सिंबल कमल था। यह कमल तो आपकी पार्टी का चुनाव चिन्ह है जिसे कि आपने टोयटा रथ के सामने लगाकर उसका प्रचार किया। उपाध्यक्ष महोदय, यह वही आर०एस० एस० है जिसने इस हिंदुस्तान को आजाद करने के लिए जब लड़ाई लड़ी जा रही थी, उस वक्त भी पीठ में छुरा घोंपा और कचहरियों में जाकर स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ विटनेस ब्रिटिश साम्राज्यवादियों के हक में देते रहे। जिस वक्त आजादी मिली तो राष्ट्रपिता का खून करके खून की होली खेली और उसको अपना राष्ट्रपिता घोषित किया। महोदय, शर्म आनी चाहिए। हम किधर जा रहे हैं? वही आर.एस.एस. चोला बदलकर कभी उसका नाम आर.एस.एस. पड़ जाता है, कभी उसका नाम हिन्दू महासभा पड़ जाता है, कभी उसका नाम जनसंघ पड़ जाता है और कभी उसका नाम भारतीय जनता पार्टी पड जाता है और धर्म के ठेकेदार, राष्ट्रीयता के ठेकेदार और सारी-की-सारी चीजों के ये ठेकेदार बन जाते हैं।

महोदय, अभी मेरे पूर्ववक्ता महाजन जी कह रहे थे कि 1986 में बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी बनी। वह किसी की राजसत्ता के तहत बनी? मैं जरा महाजन जी को अवगत कराना चाहता हूं और यह वीडियो कैसेट दिखाना चाहता हूं।

SHRI V. GOPALSAMY: Are you going to display it here?

SHRI S. S. AHLUWALIA: I do not have a VCR here.

ये वीडियो कैसेट जरा देखें कि 23 सितम्बर, 1984 को जानकीरथ विश्व हिंदू परिषद् के नेतृत्व में अयोध्या पहुंचा, कौन चला रहा था? कौन चला रहा था ये? और ये विश्व हिंदू परिषद् आज अभी खड़े होकर कह रहे थे कि कि विश्वनाथ प्रताप सिंह के मुख्यमंत्री काल में मुरादाबाद में दंगे हुए। उसी भूतपूर्व मुख्य मंत्री को प्रधान मंत्री बनाने के लिए ये बी.जे.पी. के साथ खड़े हो गए।

श्री वीरेन जे. शाह : कौन चला रहा था?

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: विश्व हिन्दू परिषद् चला रही थी और वह कौन विश्व हिन्दू परिषद्, जिसके शरमाएदार आपके नेता अशोक सिंघल और एस०सी० दीक्षित हैं। जो एस० सी० दीक्षित, विश्वनाथ प्रताप सिंह के साथ डी० जी० पुलिस थे और ये अशोक सिंघल जिसको आपके विश्वनाथ प्रताप सिंह जी ने अपना कृपा-पात्र बनाकर उसके भाई बी०पी० सिंघल को चेयरमेन बनाया मैंसर बोर्ड का।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : उपेन्द्र जी कहां गए? पूछिए उनसे?

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : उपेंद्र जी बैठकर फैसला कराया करते थे।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Mr. Ahluwalia, please be brief. There are many speakers from your party.

SHRI VISHVJIT P. SINGH: We can give him our time. Don' worry about that.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: महोदय, अभी देखा जाय तो रोज भड़काया जाता है राम सेवकों को। मैं आह्वान करता हूं आडवाणी जी और वाजपेयी जी को हथोड़ा लीजिए और जिस मस्जिद को आप मस्जिद नहीं कहते, अपने हाथ से तोड़ डालिए। तो देखूं आपको। राजनीति करने के लिए आपने इस मुल्क के लोगों को भड़काने की कोशिश

[श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया]

की है । क्यों नहीं हथौड़ा लेकर जाते उसकी रक्षा करने या उसे तोड़ने ? क्यों चढ़वा देते हो किसी अनपढ़ नौजवान को और लोगों को मरवाकर यहां पर कहते हैं कि दंगे करवा रहा है मुलायम सिंह यादव । और तो और महोदय, बड़ा आश्चर्य होता है कि मुस्लिम धर्म के नियम और कानून के बारे में आडवाणी जी भाषण में कह रहे हैं, महाजन जी भाषण में कह रहे हैं, जैन साहब भाषण में कह रहे हैं कि साहब वहां इतने दिन नमाज नहीं पढ़ी गई, वैसे कैसे एक मुस्लिम की इबादतगाह हो सकती है, कैसे वहां पर नमाज पढ़ी जा सकती है ? साल भर गंगा सागर का मंदिर समुद्र के पानी में डूबा रहता है, तरह-तरह के समुद्री जानवर उस पर मरते हैं और जब पानी हट जाता है और साल में एक बार जब वहां मेला लगता है तो क्यों जाते हो वहां ? क्यों जाते हो पूजने के लिए वहां ? जहां साल भर पूजा नहीं गया, वहां क्यों जाते हो ? इन चीजों को विचारने की जरूरत है ।

महोदय, गुरु तेग बहादुर जनेऊ नहीं पहनते थे, गुरु तेग बहादुर अपने मस्तक पर तिलक नहीं लगाते थे, गुरु तेग बहादुर ने चोटी नहीं रखी हुई थी लेकिन उसके बावजूद जब अत्याचार हुआ था तो उनके धर्म की रक्षा के लिए, ब्राह्मण के शरीर पर जनेऊ झूलता रहे, ललाट पर तिलक चमकता रहे और सिर पर चुटिया रहे, उसके लिए उन्होंने इसी सीस गंज गुरुद्वारे के सामने, जो मुगल साम्राज्यवाद की कत्लगाह थी, वहां कुरबानी दी । मैं उस धर्म से आता हूं । किसी भी इंसान के धर्म और उसके धार्मिक आदर्शों का हनन करना या उनको छीन लेना, यह हमारे भारतीयों का व्यवहार नहीं है । हमारे गुरुओं ने, हमारे देश के संतों और महात्माओं ने एक दूसरी परम्परा में हमको सींचा है । पर आज हम सब चीजों से विमुख सिर्फ वोटों की राजनीति में, टायटा रथ के सामने सिर्फ "कमल" चुनाव-चिन्ह लगाकर 8 हजार 375 किलोमीटर का दौरा कर रहे हैं ।

और तो और बात छोड़िए, जिस वक्त इस मुल्क में मंगल-कलश लेकर शांति की कामना की जरूरत है, उस वक्त भी यह अस्थि-कलश का जुलूस निकाल रहे हैं और अस्थि-कलश मंदिरों के बाहर रख रहे हैं । मैं तो अपने धर्म के बारे में जानता हूं कि अस्थियां घर में भी नहीं लाई जातीं, वह तो श्मशान के किसी दरख्त पर बांधकर रख दी जाती हैं और जब गंगा में उन्हें प्रवाहित करना होता है तो वहां से लोग ले जाते हैं, लेकिन ये उन्हें लेकर घुमा रहे हैं और मंदिरों में रखकर उन पर बढ़ा-चढ़ाकर पैसा इकट्ठा किया जा रहा है और लोगों की भावनाओं को भड़काया जा रहा है ।

महोदय, इस सदन के एक सदस्य है डा. जे.के. जैन । हमारा हिन्दुस्तान एक नियम और कानून बनाता है और उन नियमों व कानूनों के तहत हम चलते हैं, लेकिन इन्होंने अपना धर्म बनाया है कि इन नियमों-कानूनों को तोड़ना है और वह भी व्यापार के लिए । और व्यापार क्या करते हैं यह, यह वीडियो कैसेट बनाते हैं । और महोदय, इन कैसेटों को, अभी कह रहे थे कि कैसेटों को देखकर आपको पता लग जाएगा । तो महोदय, इन कैसेटों को भी मैंने देखा है और बी.बी.सी. ने जो केसेट्स बनाई हैं, वे भी मैंने देखी है और सी०बी०एस० ने जो बनाई हैं, वे भी देखी हैं और जो मुलायम सिंह यादव की पुलिस ने केसेट बनाई है, वे भी देखी हैं, इन केसटों को एडिट कर लोगों के दिलों की भावनाओं को जगाने के लिए, हिन्दुस्तान में कौमी दंगे भड़काने के लिए जिस तरह से कोशिश की जा रही है वह शर्मनाक घटना है ! इन कैसिटों को एडिट करके लोगों के दिल की भावनाओं को जगाने के लिए जिस तरह से हिन्दुस्तान में कौमी दंगे भड़काने के लिए कोशिश की जा रही हैं महोदय, वह शर्मनाक घटना हैं और शर्म आती है कहते हुए कि* इसी संसद में हमें भी बैठना पड़ता हैं . . (व्यवधान)

♦Expunged as ordered by the Chair.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN; Sir, I should be given a chance to...

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): You should not make any personal charge against an honourable Member.. *(Interruptions).* .

डा. रत्नाकर पाण्डेय : जैन साहिब, आपका प्रचार इतना ज्यादा कर दिया हैं. . . (व्यवधान)

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: He is crossing the limits of decency-. (*nterruptions)* .. I can also talk in the same language.

SHRI S. S. AHLUWALIA: Are you threatening me?

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA); Now, please take your seat.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: I am not threatening.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): You should not make any personal statement against the Member.

SHRI S. S. AHLUWALIA It is his cassette, it is produced by him. Can he deny it?

DR. JINENDRA KUMAR JAIN; You show it to me that it is my production... *(Interruptions)*,. .

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA); Dr. Jain please take your seat.

SHRI S. S. AHLUWALIA: You are*

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: You are*

SHRI S. S. AHLUWALIA: Yes, do you want to See ly criminality ... *(Interruptions)...*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Nothing will go on record.. *(Interruptions)...* Now nothing will go on record... *(Interruptions)*... Dr. Jain, nothing is going on record. You please take your seat.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया अब यहां भी लक्ष्मण रेखा खींचेंगे आप ।I

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Nothing is goingon record. You please take your seat.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: I am on a point of order. . *(Interruptiom)*

SHRI M. S. GURUPADASWAMY (Uttar Pradesh): Sir, I say, these exchanges are unfortunate and we should avoid these exchangeses let us keep up a good atmosphere in the House please.

SHRI S. S. AHLUWALIA: How?

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: By restraint.

SHRI S. S. AHLUWALIA: I am talking in a parliamentary language. I have not abused you... *(Interruptions)* ..

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Sir, I request you to expunge al! these remarks.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Nothing will go on record.

SHRI VISHVJIT P. SINGH: I am on a point of order, Sir, on what Mr. Gurupadaswamy has said.. *.(Interruptions)...*

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: I have not said anything at all. I only said. Sir, that these exchanges should be avoided. I said this because we are all concerned to maintain good atmosphere in the House. Let there be a good atmosphere in the House.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): The personal exchanges will not go on record. They will be expunged from the record.

MISS SAROJ KHAPARDE (Maharashtra); Sir, the honourable Member has not used any unparliamentary language... *(Interruptions).*,.

Expwiiged as ordered by the Chair.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): 1 shall go through the record and see.

SHRI VISHVJIT P. SINGH; Sir, 1 am on a point of order on what the honourable Shri Gurupadaswamy has said.

MISS SAROJ KHAPARDE; He did not y unparliamentary word as such in the whole speech.

SHRI VISHVJIT P. SINGH: Mr. Vice-Chairman, Sir, a few moons ago, when Dr. Sanjay Singh was made a Member of this House by the genero- E Mr. Vinash Pratap Singh *(In- lions)...*

SHRI V. GOPALSAMY: That should be expunged.

SHRI M. S. GRUPADASWAMY: not proper.. .*(Interruptiom)*

SHRI V. GOPALSAMY: That should be expunged.

SHRI VISHVJIT P. SINGH: Then we had raised the issue and that action was defended by the honourable Shri Gurupadaswamy. Only recently Shri Gurupadaswamy has turned and is now against Dr. Sanjay Singh.... *tptions),.*

SHRI V. GOPALSAMY: How is it ant?

SHRI VISHVJIT P. SINGH: It is relevant.. . *(Interruptions).. .*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Please be brief.

SHRI V. GOPALSAMY: We don't t any sermons from him.

SHRI VISHVJIT P. SINGH: Today certain remarks have been made against another Member of this House and again I find that the honourable Shri Gurupadaswamy has, with alacrity, got up and defended him.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NA.-GEN SAIKIA): What is your point of order? (Interruptons) is no point of order.. . *(Interruptions)...* Mr. Singh, there is no point of order. Mr. Ahluwalia will continue. .. *(Interruptions)* Mr. Singh, you are stealing the time of your own party. Mr Ahluwalia, you continue and conclude.

SHRI M. S. GRUPADASWAMY: I only said that these exchanges should be avoided.. . *(Interruptions).. .*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): The honourable Member will continue and conclude. If any Member interrupts, then the time will be going out of his party's time.

SHRI RAMESHWAR THAKUR (Bihar): Sir, the other day, in this very House when we were concerned about the use of the word "criminal", it was ruled by the Chair that the. word "criminal" should not be used because it was unparliamentary. Today, what the position is, we want to know from the Chair.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): I shall go through the record and see.

SHRI V. GOPALSAMY: Personal accusations should be removed.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Yes.

SHRI S. S. AHLUWALIA: I have a specific proof for that.

SHRI VISHVJIT P. SINGH: I have made a personal accusation against Mr. Gurupadaswamy. What is going to happen to that?

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA); It is no point of order. Please have your seat.

Please go on, Mr. Ahluwalia.

You are killing the time of your own party only.

SHRI VISHVJIT P. SINGH: No. We have enough time.

SHRI S. S. AHLUWALIA: We ace not killing our time, Sir.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKLA): Please go on.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : उपसभाध्यक्ष महोदय, अगर इसी तरह इन कैसेटों की दुकान चलती रही और भगवान का नाम बेचा जाता रहा... **(व्यवधान)**

डा० रत्नाकर पाण्डेय : अहलुवालिया जी तो इन कैसेटों का प्रचार कर रहे हैं, इनको रोका जाए।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA); Please dont interrupt, Dr. Pandey don't interrupt. Let him have his say... *(Interruptions)*... Let him have his say. Let him conclude. Mr. Ahluwalia, please continue.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात बताऊं कि दिल्ली पुलिस तो यह कहती हैं कि यहां ये कैसेट बैन हो गए हैं पर आज की तारीख में दिल्ली तो क्या, पूरे भारत में ये कैसेट मिल रहे हैं और सरेआम इनकी वीडियो वैन्स के द्वारा झुग्गी-झोंपड़ी कालोनियों में इन कैसेटों को दिखाया जा रहा है। मध्य प्रदेश और राजस्थान की सरकारें गाड़ियां प्रोवाइड कर रही हैं। ये कैसेट गांव-गांव में दिखाए जा रहे हैं।

MISS SAROJ KHAPARDE; What is the Home! Minister doing?

डा० रत्नाकर पाण्डेय : सुबोधकान्त जी, क्या आप इस पर जांच बिठाने को तैयार हैं? मैं माननीय गृह मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस सदन के एक सदस्य कम्युनलिज्म के कैसेट बनाकर देश में चारों तरफ कम्युनलिज्म का प्रचार कर रहे हैं, क्या आप इस बारे में कोई कार्यवाही करने को तैयार हैं और इस पर आप कोई एक्शन लेंगे या नहीं? यह आप सदन को बताइए।

SAIKIA): You can make this point. When your turn comes, then, you make your point Please, Mr. Ahluwalia go on.

श्री सुन्रेद्रजीत सिंह अहलुवालिया : उपसभाध्यक्ष महोदय, जब दंगों की बात आती है, कुछ देर पहले महाजन जी कह रहे थे कि ये दंगे वहां-वहां हुए हैं जहां-जहां कांग्रेस का राज था। मैं आज भी कहता हूं, वहीं हो रहे हैं जहां कांग्रेस का राज हैं या कांग्रेस का समर्थित राज है, ये दंगे करवाए जा रहे हैं।

उपसभाध्यक्ष महोदय, हैंदराबाद में शकील नाम का एक पागल था और वह लोगों से भीख मांगता फिरता था और कहता था-"आपा, रोटी दो, तुम्हारे लिए दुआ करूंगा"। वह घर-घर जाकर भीख मांगता था। उसकी उम्र 24 साल थी। तेरह दिसम्बर को उसके टुकड़े-टुकड़े कर डाले गए। कोई पूछे कि वह तो भीख मांगता था, उसके टुकड़े करके इनको कौन सी राजसत्ता मिली? उसको मार डाला गया, इसलिए कि वह रिसिस्ट नहीं करेगा, पागल है और सारे शहर में हल्ला करा दिया कि एक मुसलमान को मार डाला गया।

इसी तरह उपसभाध्यक्ष महोदय, पेंटय्या भी इसी शहर का रहने वाला था, 45 साल उम्र थी उसकी। वह कहता था-"सिगरेट दो, मैं गाना सुनाऊंगा"। वह भिखारी था और गाना क्या सुनाता था-"रामचन्द्र-रामचन्द्र भजो रामचन्द्र"। उसको भी 15 दिसम्बर को मार डाला गया और प्रचार कर दिया गया कि एक हिंदु मार डाला गया।

माननीय मंत्री जी को मैं बताना चाहता हूं कि यह एक आडियो कैसेट है यह आडियो कैसेट एक स्टुडियो के अन्दर रिकार्ड किया गया है और इस स्टुडियो के अंदर रिकार्ड करके यह बता रहे हैं कि ये जगाधरी की जनता को भाषण दे रहे हैं किंतु कोई भी आदमी इसे सुनकर बता देगा कि यह साऊंडप्रूफ स्टुडियो के अंदर रिकार्ड किया गया है और सड़कों पर इसे बेचा जा रहा है, लोगों को सुनाया जा रहा है गाड़ियों में माईक लगाकर सुनाया जा रहा है। मुझे यह भी पता है कि इनके

कुछ और भी स्टुडियो हैं जहां ऐसे कैसेट बनाए जा रहे हैं जिनमें गोलियों की आवाज सुनाई पड़ती है। महिलाओं की चीखें सुनाई देती हैं . . . **(व्यवधान)**

श्री शान्ति त्यागी : अध्यक्ष जी, ये मुनाफा कमा रहे हैं, ब्लैक में बेच रहे हैं . . . **(व्यवधान)**

डा० जिनन्द्र कुमार जैन : आपकी अक्ल पर मुझे तरस आ रहा है . . . **(व्यवधान)**

श्री सुरेन्द्र जीत सिंह अहलुवालिया : उपाध्यक्ष महोदय, वह आडियो कैसेट जैसी फिल्म चलती है वैसे चलता है, गोलियों की पीछे से आवाज आ रही है, बच्चों और महिलाओं के चीखने की आवाजें करके कैसेट बनाया जा रहा है। यह कैसेट कभी हिन्दुओं के और कभी मुसलमानों के मुहल्ले में बजाया जाता है . . .

महोदय, यह टोयोटा रथ के चलाने वाले और लौटस सिंबल वाले लोग हैं। कभी माइनारिटी को डराकर खूनखराबा कराते हैं और दूसरी तरफ मेजारिटी को भड़का रहे हैं। मैं पूछता हूं हिन्दू धर्म का ठेका क्या आपने ही ले रखा है? अगर ले रखा है तो उन मंदिरों को आजाद करवाओ जो चीन के कब्जे में हैं, उन मंदिरों को आजाद करवाओ जो पाकिस्तान के कब्जे में हैं। तब हम मानेंगे कि सही माने में आप हिन्दुओं के प्रतिनिधि हैं।

उपसभाध्यक्ष महोदय, विश्वबंधु गुप्ता तो इन्कमटैक्स के आफिसर थे, विश्व हिन्दू परिषद् के करीब साढ़े सात सौ करोड़ रुपये के हिसाब मांगने पर दिल्ली से मद्रास ट्रांसफर कर दिए गए। विश्वनाथ प्रताप सिंह के कहने पर इन्हीं महाशयों के कहने पर ट्रांसफर हुए क्योंकि ये उनका साथ दे रहे थे। उसने प्रोटेस्ट किया तथा नौकरी छोड़ दी और आज सड़कों पर, धक्के खा रहे हैं। क्या वह हिन्दू नहीं था क्या वह भारतीय नहीं था? वह एक अच्छा भारतीय था, अच्छा नौकर था, अच्छा अफसर था। . . . **(व्यवधान)**

तो उपाध्यक्ष महोदय, यह विश्वनाथ प्रताप सिंह का खेल और टोयोटा रथ के चलाने वाले आडवाणी साहब के रथ का प्रचार भारतवर्ष में बंद नहीं होगा तो इतिहास खून से लिखा जाएगा, स्याही खत्म हो जाएगी। हिन्दुस्तान का इतिहास खून से न लिखा जाए। अगर लिखना ही है तो सुनहरे अक्षरों में लिखा जाए, उसका बंदोबस्त करने की जरूरत है। अभी लोग कह रहे थे कि एक मल्टी-रिलीजस फोर्स रायट्स को रोकने के लिए बननी चाहिए मैं कहता हूं कि आल रिलीजस कम्युनिटीज की ऐसी कम्युनिटी बनाई जाए जिसे हम इंडियन कम्युनिटी कहें, भारतीय कम्युनिटी कहें और हिन्दुस्तान में उस कम्युनिटी में सब लोग गर्व से कहें कि हम भारतीय हैं। हिन्दु होकर गर्व से कहें कि मैं भारतीय हूं, सिख होकर गर्व से कहे कि मैं भारतीय हूं, मुसलमान होकर गर्व से कहे कि मैं भारतीय हूं, ईसाई होकर गर्व से कहे कि मैं भारतीय हूं, पारसी होकर गर्व से कहे कि मैं भारतीय हूं। आज ऐसी संस्था की जरूरत है। मैं उम्मीद करता हूं कि आज सदन में इस को समाप्त करेगा तो ऐसा रेजूलूशन लाएगा। आज जिस चीज की कमी है, आज हिन्दुओं की संख्या बढ़ रही है, मुसलमानों की संख्या बढ़ रही है, सिखों की संख्या बढ़ रही है, क्रिश्चियनों की संख्या बढ़ रही है और भारतीयों की संख्या कम होती जा रही है, उसको रोकने की जरूरत है। महोदय, मैं आपसे यही गुजारिश करते हुए आपसे इजाजत चाहता हूं-इति

SHRI V. GOPALSAMY: Mr. Vice-Chairman, Sir, we are entering the last decade of the 20th century. Not only the 20th century but this is the last decade of the second, millennium. The world is going to witness topsyturvy changes which have been indicated just a year ago in the Eastern Europe. The geographical map is going to change and India is also entering a very turbulent period. Sir, times without number, we have been discussing) on

[Shri V. Gopalsamy]

the floor of this House about communal clashes. Today lndia is sitting on a precipice. We are sitting on a volcano. The worst days of the partition pale inte insignificance. When we look at what is happening before our own eyes in our own country whether it is Andhra Pradesh ol in Delhi or in Gujarat or in U.P. and in many parts of the country, the very fabric of India is being threatened mainly by the communal violence which is spreading like a cancer in the body politic.

Sir with rapt attention 1 was listening to the speech of my friend from the BJP and they are trying to advocate a theory of Hindu Rashtra and they quoted history, they say that these people were invaders, they came from Afghanistan or Persia. If they try to destroy a mosque and build a temple at that site by putting a theory that there was a temple, it is not correct I do not want to go into the details because the time at my disposal is very short. But one thing I want to make it very clear is that you cannot erase history. You cannot create history according to your own whims and fancies. Of course, Babur was the king of the Moghul empire. Even the great Akbar visualised one thing that in the name, of Islam, he could not rule the empire, therefore, he tried to inject a new dictum *"Din-Ilaht"*. Of courae, he failed but he was a visionary. He thought that he was a mighty emperor. He had a mighty Army. Except Rana Pratap Singh, all other Raiputs joined him.

श्री शान्ति त्यागी : राणा प्रताप सिंह नहीं थे राणा प्रताप थे ।

SHRI V. GOPALSAMY: Why are you so touchy and sensitive about Pratap Singh?

Now you cannot rewrite history according to your own view and if you say that they came earlier, with all humility I would like to pose a. question.

SHRIMATI MARGARET ALVA: The Aryans came.

SHRI V. GOPALSAMY: Of course, through the Khyber, Golan pass and from middle Asia, persons came over here. This is part of our history. ... *(Interruptions)*.. . The British played their game "divide and rule". But, at the same time, they brought uni fication of India. .*(Interruptions)* .. . Before the British came, there were no Indians ...*(Interruptions)* .. This is the history. Now, India is a country where the Christians, Muslims, Hindus, Sikhs, Jains, Bud dhists and the rationalists could live together getting equal respect and honour. That is the meaning of secu larism; otherwise if you try to inject this dictum "Hindu Rashtra", I would like to warn them. Do try to see the writing on the wall. The eastern block he norh-east, will not be withi you, Kashmir will not be with you, Punjab will not be with you if you say 'Hindu Rashtra'. The same dic- turn was injected by Hitler. He said, "My race, the Aryan race, is the sup reme race. There is no place for Jews. There is no place for any other munity." What happened? Today, in India, some of them are becoming neo-'fascists in the name of religion, in the name of Ram. In this great coun try, when the revolver of Nathu Ram Godse emitted fire and bullets, the father of the Nation pronounced 'Ram, Ram'. He gave his life to maintain communal harmo in tim country. But it is a painful paradox that to whip up the commu nal passion of a community to mas sacre another community the same name 'Ram' is pronounced by certain sections. Even in the Hindu mytho logy *Ramayan*. Ram is a very modative person with a cosmopolitan outlook. Yes, of course. He embraced G'Uha, who comes from the huntei community. He embraced Harxuman and Sugreev as his brothers despite the fact that they belong to the monkey race. And he embraced vibhishan who belong to the Rakshasa community, according to the mythology. Of course, in our own view-pint, he is a traitor. But Ram embraced Vibhishan also as his brother. But in the name of Ram, you want to spread rancour and animosity and hatred among people. And the

famous Rath Yatra took place. For what purpose? There is another purpose. For thousands of years, the upper castes have been enjoying the unjustifiable fruits and benefits in this society, in the system. They were not prepared to lose anything. Therefore, they were afraid of going and telling the people that the upper caste people should not get such a share in the power structure. Therefore, they started this Rath Yatra. What has happened to the Rath now? Why has it been stopped? In *Mahabharat,* Parasuram cursed Kama that in the crucial hour, the wheels of the chariot would not move. Has any such curse been given by any Parasuram in this country now? Why Advani has not started his Rath now?

Today there is curfew in many towns of Uttar Pradesh. There is curfew in Lucknow, Agra, Aligarh, Ghaziabad, Ferozabad, Mathura, Kanpur, Allahabad, Varanasi, Jaunpur, Basti, Muzaffarnagar, Jhansi. Badaun, Moradabad, Rampur, Bijnore, Ayodhya, Faizabad, Morena and everywhere. It has happened in these two months. And also in Andhra Pradesh. Bloodbath took place. Who are the victims? Not those persons who have sharpened their knives, both sides, who made inflammatory speeches They are not the victims. Who are the victims? Women children, sick and disabled who cannot escape, who cannot run away, innocent people. Sir, I would raise my accusing finger against Mr. Advani and the BJP. Because of the passions aroused, the rancour and hatred spread by their campaign, both sides had been sharpening their arsenal and this blood-bath had taken place. They are solely responsible for this carnage wherever it happened. Sir, in Tamil Nadu, even during the days of parition when people were killing in the name of religion, they were embracing each other as brothers. That brotherhood was there and has been there. The credit goes to the greatest champion of social justice, Periyar, the credit goes to the Dravidian movement, the credit goes to the great national leaders, the credit goes to Anna, the credit goes to Kamraj, the credit goes to my leader, Dr. Kalaignar. Today, what is the position in Tamil Nadu? You can walk anywhere in my State. There is no communal war. But today, the very same vested interests are trying to inject this poison in *my* State also— the VHP and the BJP—they are trying to do it. We will lay down our lives in Tamil Nadu but we will never allow such things to take place because in our country, the Hindu could go to the temple and perform his puja. My Christian brother could go to the Church and offer prayer. My Muslim brother could go to the mosque. My Sikh brother could go to the gurudwara and my rationalist friend could go and preach rationalism. That is secularism. But here, they are trying everywhere to inject this poison. They say, "Hindi-Hindu —Hindu Rashtra". That will divide this country. That will balkanise this country. Sir, I am proud to belong to my State Tamil Nadu. We will never allow any communal clash in our State. It is run by the dynamic stewardship of my leader, Dr. Kalaignar. Sir, you see in the eastern coast, people go to Nagore Dargha— the Muslim mosque. They go and make prayers. Then they immediately go to Velankanni church where the Velankanni mother is there. They offer prayers. The Hindus go to church, the Hindus go to Nagore Dargha and then all of them go to Sikkil where the temple of Lord Subra-manya is situated. Now, Nagore-Velankanni-Sikkil, Hindu-Christian-Muslim. So this is the fraternity we have developed. But, Sir, my leader, in his message about communal har-mony said one thing which is very pertinent on my part to bring to the notice of these people. We are witnessing "The Sword of Tipu Sultan" the life history of Tipu Sultan on Doordarshan. Tipu brought name and fame to this country; he fought for the independence of this country. He built a temple for Rama, Brahma.-Vishnu in Serangapatnam. Side by

[Shri V. Gopalsamy]

side, a mosque was there and a temple was there. This is the secular trend. This is the lesson we have to take from the past. But, Sir, even when the original idol of Rama was to be taken from the Hindu temple at Tan-jore, to be shown in the "Festival of India" in the United States, it is I who raised the debate.. .

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Please conclude.

SHRl V. GOPALSAMY: But Sir, I would like to make a reference about our friends from the Congress side, tried to make political campaign and propaganda using Arun Govil, who acted in the "Ramayana". It is their party which is in power in Andhra Pradesh. Then why you have en couraged what has taken place there? In Karnataka, there were communal clashes. The net result was, Mr Veer endra Patil, who was not amenable to the pressure of Mr. Rajiv Gandhi, had to be replaced. Again communal clashes in Andhra Pradesh. Here, Mr. Chenna Reddy was not amenable to Mr. Rajiv Gandhi. He had to be re placed. Now trouble has started in Maharashtra. I am afraid whether Mr. Sharad Pawar will win in this game. What is the *modus operandi?* Is there something behind this? Therefore, Sir, they are also a party to this. When they were not able to defeat the National Conference in Kashmir, the very same Congress Party used the communal card in Kashmir. .. . *(Interruptions)*... I am coming to the BJP. They are equally responsible for the communal riots. And the Congress Party is also equally responsible for the communal riots. Therefore, whatever steps may be taken by the Government on this issue to combat communalism and maintain secularism, we will be second to *none in* extending out support. So, the message of love, the message of mututal affection, should spread out throughout the country and all the forces, progressive, secular and socialist forces, democratic forces, should be united to fight this communal menace and we will See the doom of communal riots.

डा० अबरार अहमद (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदय, आज से लगभग एक वर्ष पूर्व जब इस देश में वी.पी. सिह सरकार बनी थी और उस सरकार का जिस प्रकार से कम्बीनेशन था, जिस प्रकार की सरकार वह बनी थी एक तरफ विश्वनाथ प्रताप सिह जी ने भारतीय जनता पार्टी से हाथ मिलाया था और दूसरी तरफ लेफिटस्टट्स से हाथ मिलाया था, जिस प्रक.र से भारतीय जनता पार्टी के साथ उन्होंने तालमेल बैठा कर सरक.र बनाई थी और उसकी क्रेडिबिलिटी बढ़ाई थी उसी वक्त यह साफ नजर आ रह. था कि आ.ने व.ले वक्त में क्य. होने वाला है । महोदय, अभी जब अक्तूबर माह में और उसके बाद इस देश के अन्दर सांप्रदायिक दंगे भड़के तो इससे साफ जाहिर होता है, यह साफ पता लगता है कि सांप्रदायिक झगड़े किसने करवाये । अक्तूबर में पहली बार सांप्रदायिक झगड़े 24 अक्तूबर को भड़के । जब 23 अक्तूबर को भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी को उनकी रथ यात्रा के दौरान गिरफ्तार किया गया तथा उस रथ यात्रा को रोका गया तो उसके जस्ट बाद जो सांप्रदायिक झगड़े भड़के वह उन जगहों पर भड़के जहां पर भारतीय जनता पार्टी की सरकारें थीं या भारतीय जनता पार्टी का वर्चस्व था उसमें चाहे राजस्थान हो, चाहे हिमाचल प्रदेश हो. चाहे कोई अन्य जगह हो । (**व्यवधान**) उपसभाध्यक्ष महोदय. जो सांप्रदायिक झगड़े अक्तूबर में भड़के उनसे यह साफ पता लग रहा था कि वह झगड़े किस ने भड़काये । जब आडवाणी जी को गिरफ्तार किया गया तो उस समय भारतीय जनता पार्टी अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना चाहती थी, अपनी ताकत बताना चाहती कि आडवाणी जी को गिरफ्तार करना कैसा होता है । यह बताना चाहती थी । तो जहां जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी, भारतीय जनता पार्टी का वर्चस्व था

[डा० अबरार अहमद]

चाहे उसमें राजस्थान हो, चाहे मध्य प्रदेश हो या हिमाचल प्रदेश हो उन स्थानों पर 24, 25 और 26 अक्तूबर जबरदस्त साम्प्रदायिक झगड़े और खूनखराबा हुआ। उसके बाद उन स्थानों पर झगड़े भड़काए गए जहां भारतीय जनता पार्टी का राज न हो कर के दूसरी सरकारें थीं। उस में यह बताना चाहते थे कि यह झगड़े उन जगहों पर हो रहे हैं जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं है। दोनों ही प्रकार के झगड़ों में भारतीय जनता पार्टी यह चहाती थी, पहले से यह बताना चाहती थी कि अडवाणी जी को गिरफ्तार करना कैसा होता है, उससे प्रेरित होकर के इस प्रकार के झगड़े भड़काए ताकि लोगों को पता चल जाए, केन्द्रीय सरकार को पता लग जाए और दूसरा यह बताना चाहती थी कि जहां दूसरी सरकारें हैं वहां यह सरकारें झगड़ा पर नियन्त्रण करने में नाकाम हैं।

तो एन दो प्रकार के साम्प्रदारिक झगड़े हुए और दोनों में सीधा हाथ भारतीय जनता पार्टी का था। महोदय, अभी माननीय सदस्य श्री महाजन जी बोल रहे थे। उन्होंने अपनी बात को जब शुरू किया तो शुरु में ही उन्होंने राम जन्म भूमि और बाबरी मस्जिद की बात की। मैं एक बात बहुत स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मन्दिर बनाने के विरोध में इस देश का मैं समझता हूं कि एक नागरिक भी नहीं होगा। जिस चीज का वे ढिंढोरा पीटते हैं, जिस चीज की वे बात करते हैं उस राम मन्दिर को इस देश में बनाने के विरोध में न मैं हूं न मेरे जैसा कोई भी व्यक्ति या कोई भी इस देश का नागरिक है। इस देश के अन्दर प्रत्येक आदमी मन्दिर बनाने के पक्ष में है। लेकिन अगर विरोध में है तो मस्जिद तोड़ने के विरोध में है, न्यायपालिका की अवमानना के विरोध में है। वे लोगों को गुमराह करते हैं। मैं खुद एक मुस्लिम सम्प्रदाय से हूं लेकिन अगर मैं पांच मुस्लिम सम्प्रदाय के लोगों को जानता हूं तो 5 हजार मेरे साथी, मिलने वाले, मेरे हमदर्द हिंदू समुदाय के लोग हैं और मुझे कोई भी हिंदू समुदाय का एक भी आदमी नहीं मिला जो यह कहता था कि मस्जिद टूटनी चाहिए। मन्दिर बनना चाहिए यह हर एक बात करता है इस मुल्क के अन्दर, मैं भी यह बात करता हूं कि मन्दिर बनना चाहिए। मैं भी इसका जबर्दस्त समर्थक हूं कि राममन्दिर भारत में नहीं बनेगा तो कहां बनेगा। लेकिन मस्जिद तोड़ने की बात इस देश का कोई हिन्दू नहीं करता। ये लोगों को गुमराह करते हैं। उनकी भावनाओं को भड़काते हैं और भड़का कर इस देश के अंदर माहौल गंदा करना चाहते हैं, देश के माहौल को बिगाड़ना चाहते हैं और जो कुछ हालात इन तीन महीनों के अन्दर बने हैं ये इसी प्रकार की राजनीति से प्रेरित होकर बने हैं। ये इस बात को महसूस कर चुके हैं या करना चाहते हैं कि हो सकता है कि हम इस बात को लेकर आगे चलें तो सत्ता मिल जाए। इस देश के राज की कुर्सी पर इनकी निगाह टिकी हुई है। ये चाहते हैं कि इस बात के माध्यम से, राम जन्म भूमि के नाम से, राम मन्दिर के नाम से किसी प्रकार से इस देश की सत्ता हम हथिया लें। लेकिन मैं आपके माध्यम से इनको कह देना चाहता हूं कि इनके ये नाकाम इरादे कभी पूरे नहीं होने वाले हैं।

देश भक्ति और मुल्क की बात करते हैं। महात्मा गांधी जिसने इस देश को आजाद कराया, जिसने इस देश की आजादी की लड़ाई लड़ी, जिन लोगों ने उसको नहीं बख्शा, जिन लोगों ने उसकी हत्या करा दी वे क्या देश के बारे में सोच सकते हैं। मैं इन बातों की गहराइयों में नहीं जाना चाहता हूं। उन्होंने मुख्य मन्त्रियों की एक सूची पढ़ दी कि जिन जिन राज्यों में दंगे हुए, जिन जिन जगहों पर दंगे हुए वहां कौन मुख्य मंत्री थे। लेकिन जिस जयपुर के अन्दर ढाई सौ साल में कभी दंगा नहीं हुआ, ढाई सौ साल में कभी एक आदमी नहीं मरा था उस जयपुर का नाम नहीं पढ़ा कि उस जयपुर उनकी भारतीय जनता पार्टी का मुख्य मंत्री भैरों सिंह शेखावत था वहां सबसे ज्यादा लोग मरे, जिसने कभी दंगे का नाम नहीं सुना था, दंगे

[डा० अबरार अहमद]

की कभी शक्ल नहीं देखी थी जिसको गुलाबी नगरी कहा जाता था उस गुलाबी नगरी को खूनी नगरी, लाल नगरी बना दिया गया। वहां उन्होंने मुख्य मंत्री का नाम नहीं लिया। मुख्य मंत्रियों की फेहरिस्त में एक और नाम नहीं जोड़ा। इस तरह की बातें कहना और करना आसान है लेकिन सच्चाई का सामना करना मुश्किल है।

जब 12--13 अक्टूबर को भारतीय जनता पार्टी के लाल कृष्ण आडवाणी वहां गये तो वहां के प्रदेश का मुख्य मंत्री कहता था कि आडवाणी को गिरफ्तार करके देखो, खून की नदियां बहा देंगे। उसके बाद जब 23 अक्तूबर को आडवाणी को गिरफ्तार किया गया तो 23 अक्तूबर की रात को जयपुर की चौपड़ में खड़े होकर उस सरकार के मंत्रियों ने भाषण दिया कि ये लोग यहां मांगते क्या हैं। हर हालत में कल बंद होगा। मुख्य मंत्री ने खुद कहा पुलिस अधिकारियों को, अफसरों को बुलाकर कहा कि चाहे कुछ भी करना पड़े जयपुर बंद होना चाहिए। फिर 24 अक्तूबर को जब 10 बजे कर्फ्यू लगा तो उसके बाद सारी घटनाएं घटीं। कर्फ्यू लगने के बाद दुकानों को छांट छांटकर उनके ताले तोड़े गये, दुकानों का सामान लूटा गया, दुकानों का सामान निकालकर जलाया गया। कहां थी पुलिस, कहां था प्रशासन। कर्फ्यू में यह सब कैसे हुआ। कितनी गोलियां चलीं, कितने लोग मरे। मैं आपके माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के मुख्य मंत्री और उनके लोगों से पूछना चाहता हूं कि क्यों नहीं उन दुकानों के ताले तोड़ने वालों पर गोली चलायी गयी, क्यों नहीं सामान लूटने वालों पर गोलियां चलायी गयीं। कोई आदमी नहीं कह सकता कि सामान लूटने वालों पर गोली चली, ताले तोड़ने वालों पर गोली चली, उस बाजार के अंदर गोली चली। निर्दोष लोगों को गोलियों से भूना गया। अगर आप वहां कि निर्मम हत्याओं का किस्सा सुनें तो आपका भी दिल दहल जाएगा। एक परिवार जो जयपुर का नहीं हिन्डोन का रहने वाला था जिसमें एक वृद्ध, उसकी पत्नी और एक तीन साल का मासूम बच्चा था उनको कत्ल करके भट्टी में डालकर जला दिया गया। एक स्त्री जिसकी गोद से बच्चा लगा हुआ था उसको जिंदा जला दिया गया। मरने के बाद भी डाक्टर उसके सीने से बच्चे को अलग नहीं कर सके। एक स्त्री जो चौके में भोजन बना रही थी उसको चाकुओं से गोदकर घसीटकर लाया गया। उसके खून के निशान 27 अक्तूबर तक वहां मौजूद थे जब मैं भगतजी, बलराम जाखड़जी और मोहसिना-किदवई जी वहां गये। उस वक्त तक खून के निशान वहां लगे थे। उस वक्त तक वह निशान बाहर तक लगे थे कि किस तरह से चाकुओं से गोद-गोद करके उसको बाहर लाया गया था।

एक परिवार जिसमें सात आदमियों को पीछे से दीवार खोद कर जिसमें दो बाई एक की जगह बना कर लोग घुसे और सात आदमियों को वहां मारा गया। दो स्त्रियां जो बिकुल नग्न अवस्था में दो दिन तक पेड़ों के पीछे छिपती रहीं---इस तरह की दर्दनाक मौतें उस जयपुर के अंदर गईं।

तीन दिन तक वह तांडव नाटक चलता रहा, लेकिन वहां वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार आंख मूंदे बैठी रही, नाटक करवाती रही, तांडव करवाती रही। अपनी शक्ति बतानी थी कि लाल कृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करना कैसा होता है, जो वहां के मुख्य मंत्री कह चुके थे, जो वहां के अधिकारी कह चुके थे।

मैं आपके माध्यम से उन लोगों से सवाल पूछना चाहता हूं कि जो इस देश के अंदर शांति की बात करते हैं, भाषण बड़े-बड़े अच्छे देते हैं --- मैं जब से इस सदन में आया हूं, मुझे यह कहते हुए---यह बिलकुल सही बात है कि जो भी भारतीय जनता पार्टी के मेरे साथी हैं, सदन में बड़ा अच्छा बोलते बोलते हैं, बड़ी-बड़ी अच्छी तकरीर करते हैं, सांप्रदायिक सद्भाव की बात

करते हैं, टी०वीज़ पर बड़े अच्छे उत्तर भी आते हैं, लेकिन इनकी करनी और कथनी में बहुत बडा अंतर है । और उस अंतर को इन्हें स्वीकार करना पड़ेगा, जो कार्यरूप में यह परिणित करके बताते हैं ।

महोदय, आज भी जयपुर के अंदर इन लोगों ने आग लगाई । उस जयपुर में आज माडेस्ट सी०आई०डी० इंक्वायरी उस झगड़े की चल रही है । आप जानते हैं कि सी०आई०डी० क्या है । सी०आई०डी० इंक्वायरी की बात करते हैं और देश में ज्यूडिशल इंक्वायरी की स्टेटमेंट देते हैं कि सारे देश के दंगों की जूडिशल इंक्वायरी होनी चाहिए । मैं इनसे पूछता हूं कि जयपुर में जहां तुम्हारी सरकार बैठी है, जो इतने बड़े उस गुलाबी नगरी को लाल नगरी बना दिया, क्यों नहीं आज तक जूडिशल इंक्वारी की गई ? क्या नहीं जूनिशल इंक्वायरी की घोषणा की ?

हमने मांग रखी, धरने दिये, उपवास किये, मुख्य मंत्री के दरवाजे पर गये कि इसकी जूडिशल इंक्वायरी कीजिए। इसलिए नहीं कि मारने वालों को सजा मिल जाए, लेकिन लोगों में विश्वास जम जाए । जो आज लोगों के अंदर यह विश्वास कायम हो गया है कि किसी भी आदमी को जिस प्रकार का लोगों को प्रशिक्षण हो, वह लोगों की हत्या कर सकता है, मौत कर सकता है, तो उनके अंदर पुनः यह विश्वास आ जाए कि नहीं अगर एक आदमी ने कभी इस प्रकार की घटना की है, तो उसको छह महीने बाद भी सजा मिल सकती है, एक साल बाद भी सजा मिल सकती है, जिस विश्वास के आधार पर वह जिंदा रह सके, जिस विश्वास के आधार पर वह अपनी संपत्ति को बचा कर रख सके । उस विश्वास को कायम करना बहुत जरूरी है । वह विश्वास तभी कायम हो सकता है जब कम से कम सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के न्यायाधीश द्वारा जूडिशल इंक्वायरी हो ।

लेकिन हाय रे, मेरे भारतीय जनता पार्टी के सांसदों, जो सारे देश में ढोंडी पीट रहे हैं कि सब झगडों की जूडिशल इंक्वायरी होनी चाहिए, उस जयपुर के अंदर उनको जूडिशल इंक्वायरी नहीं दिखती है । आज तक जयपुर के अंदर जूडिशल इंक्वायरी की बात नहीं की गई।

माननीय उपसभाध्यक्ष जी, मैं बहुत संक्षेप में ही अपनी बात कह रहा हूं और मैं खास तौर से जो राजस्थान के लोगों के साथ अन्याय हो रहा है, मैं इस बात का बहुत बड़ा हामी हूं कि अगर कोई भी आदमी किसी भी प्रकार का अपराध करता है तो उसको कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए और जहां "टाडा" नाम से राजस्थान के अंदर जो टाडा मिलिटेंट के लिए बनाया गया था, वह राजस्थान में भी लागू किया गया और उस टाडा एक्ट के जरिए राजस्थान में काफी लोग –जयपुर के, कोटा के, जोधपुर के बंद हैं । जो भी आदमी इस प्रकार का हो, किसी बम बनाने की घटना में हो, या इस प्रकार की गतिविधियों के हो, उसे जरुर टाडा एक्ट में बंद किया जाना चाहिए । मैं स्वयं इस बात को कहता हूं, लेकिन किसी भी कानून का नाजाइज इस्तेमाल नहीं होना चाहिए और वह नाजाइज इस्तेमाल राजस्थान के अंदर हुआ । हो सकता हैं कि दो आदमी किसी चीज में मुलजिम हों, चार, छह या आठ हों ।

कोटा के अंदर जब सांप्रदायिक दंगा हुआ (समय की घंटी) वह की राज्य सरकार कांग्रेस की थी । उस समय मैं खुद कोटा में गया था । वहां अठारह आदमी मरे। मैं यह भी नहीं कहना चाहता था, लेकिन मजबूरी में मुझे कहना पड रहा है । इसमें से सोलह आदमी एक समुदाय में के मरे थे । सोलह एक समुदाय के मरे, उनकी प्रापर्टी जली और आज लगभग अस्सी लोग टाडा में गिरफ्तार हैं । इसमें एक दूसरे समुदाय का है । वह भी हिस्ट्री शीटर है, बाकी 79 एक समुदाय के लोग गिरफ्तार हैं, जिसकी कहीं कोई सुनवाई नहीं है ।

क्या यही कानून लागू करने का तरीका है और ठीक उसके विपरीत राजस्थान के एक शहर ब्यावर में उसी पुलिस ने टाडा एक्ट लागू कर दिया, लेकिन उसमें दोनों समुदाय के लोग

[डा० अबरार अहमद]

बराबर थे. तो वहां से वह विदडा कर लिया गया । उन लोगों को छाड दिया गया ।

तो महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को आंख खोलना चाहता हूं । आपके माध्यम से यह बात बताना चाहता हूं कि वह निर्दोष लोग हैं— हां अगर वह दोषी हो, तो उनको कभी न छोड़े, हर प्रकार की यातना दें । ...

लेकिन निर्दोष लोगों को यहां राजनीति से प्रेरित होकर या किसी भी तरीके से, गलत तरीके से फंसाया गया है टाडा के जुर्म में फंसाया गया है, उन लोगों को छुड़वाया जाना चाहिए । महोदय, इसके साथ ही साथ, मैं एक बात और आपसे कहना चाहता हूं ...(व्यवधान) मैं ब्रीफ कर रहा हूं । कोटा के अन्दर अभी जब 23, 24 और 25 अक्टूबर को राजस्थान में सब जगह झगडे हुए, कोटा राजस्थान में सब से सेंसटिव जगह थी और वहां झगड़ा नहीं हुआ । बडी अजीब बात है । पता लगा कि वहां का जो जिला प्रशासन था उसने राजनीतिक लोगो की भी बात नहीं सुनी और झगड़े को रोकने के लिए मुस्तैदी रूप से वहां का कलैक्टर सामने आ गया । नतीजा क्या हुआ कि भारतीय जनता पार्टी के एक मंत्री एक महीने बाद उस कलैक्टर के दफ्तर के सामने धरने पर बैठे और सारे कोटा की जनता के चाहने के बाद भी उस कलैक्टर का वहां से ट्रांसफर हुआ क्योंकि उसने झगड़ा नहीं होने दिया । उस कलैक्टर का सिर्फ इसलिए वहां से ट्रांसफर हुआ कि उसने वहां दंगा नहीं होने दिया । जिस राज्य में इस प्रकार की कानून और व्यवस्था चल रही हो उससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि लोगों में कितना बड़ा विश्वास कायम हो सकता है ? अंतिम बात मैं यह कहना चाहूंगा इसमें कोई दो राय नहीं हैं हमारे युवा गृह राज्य मंत्री ने इन झगड़ों में, इन दंगों में अपनी तरफ से पूरा प्रयास किया और कोई कसर नहीं रखी लेकिन प्रधान मंत्री जी की तरफ से मुझे एक शिकायत है जो मैंने उनको भी कही है और वह सदन के माध्यम से उन तक पहुंचाना चाहता हूं कि इन दंगों के बाद जयपुर होकर वह दो बार गए । एक बार जयपुर में थोडी देर रुके, उसके बाद बम्बई गए । मैंने उनसे शिकायत की कि जयपुर में उस टाइम कर्फ्यू लगा हुआ था । आप जयपुर हो करके बम्बई गए । आपको चंद मिनट या चंद घंटे उस जयपुर के लिए भी निकालने चाहिए थे क्योंकि वहां जो लोग मरे वह भी किसी के बेटे, किसी के भाई, किसी की बहन, किसी की मां थी और वह आंखे लगाकर आपकी तरफ देख रहीं थी, लेकिन आपने समय नहीं दिया । दोबारा फिर अभी वह जयपुर होकर गए । मैंने उन्हें फिर शिकायत की, लेकिन मुझे बड़े दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि प्रधान मंत्री जी वहां जयपुर में नहीं गए । मैं आपके माध्यम से उन तक यह बात पहुंचाना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री जी जयपुर जाएं और उन लोगों के आंसू पोछें जो उनके लिए टकटकी लगाए बैठे हैं कि हमारे देश का प्रधान मंत्री आएगा और हमारी बात सुनेगा, हमारे दुःख तकलीफ सुनेगा, क्योंकि राजस्थान की स्थिति और जगह से भिन्न है । राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी का राज है इसलिए राजस्थान के लोगों की स्थिति थोडी भिन्न हैं । ... (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (OR. NAGEN SAIKIA): Please be brief.

डा० अबरार अहमद : उपसभाध्यक्ष, महोदय, मैं आपके माध्यम से यह बात कहना चाहूंगा ... (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): You are taking much time. You were allotted 7 minutes but you have crossed about 12 minutes. Please con-dude.

DR. RATNAKAR PANDEY.- Kindly adjourn the House.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Please conclude. OnIy one minute. Then we shall take the decision.

डा. अबरार अहमद : आपने मुझे काफी समय दिया उसके लिए धन्यवाद । अब एक मिनट आपने दिया है उसमें, अपनी बात को समाप्त कर रहा हूं और चूंकि अब बोलने के लिए तो बहुत कुछ इस विषय पर था ।

एक माननीय सदस्य : आप बोलिए ··(व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA); Ple'ase conclude. There is no time. Please conclude.

डा. अबरार अहमद : ···(व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): You have already crossed your time. Please conclude.

डा० अबरार अहमद : थैंक यू० सर । आपने मुझे समय दिया उसके लिए धन्यवाद ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, अब सदन को स्थगित करिए । ···(व्यवधान)

THE VICE-GHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA); I shall have to lake ths sense! of the House If the Members are...

SOME HON. MEMBERS: Tomorrow.

DR. RATNAKAR PANDEY: Let the Minister react.. . *(Interruptions)* _. .

SHRI SUKOMAL SEN: We can take it up tomorrow. Let us adjourn today.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA; My submission is that the discussion should^ be continued tomorrow. If tomorrow you have fixed up for discussion on price rise and if this discussion is postponed to next week, then.. .*(Interruptions)..* . Then led us decide that this discussion will continue tomorrow. I want this to be categorical... *(Irterruptions)..* .

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): The House! is adjourned till 11 a.m. tomorrow.

Mr. Afzal, you will be the firit speaker tomorrow.

The House then .idjourned at six of the clock till eleven of the clock on Thursday, the 3rd January, 1991.